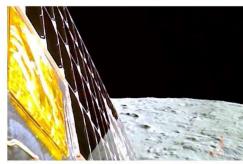






Gautam Buddha University







Organize

Special Assembly of GBU Family to

Witness Chandryan-3 Landing on Moon 23 August (5:30-6:30 PM) Main Auditorium, Gautam Buddha University

Activity Name	Chandrayaan-3 Landing
Date of Activity	23 rd August 2023
Mode of Conduct	Offline
Time	Time:5:00 PM to 7:00 PM Duration:2:00 hour

Mandatory/Elective	Elective
Participants	No. Of Student participants: 2000 No. Of Faculty participants: 115

Description

A Special Assembly was called for celebrating Chandrayaan-3 landing. A live telecast was done in main Auditorium on 23rd August 2023 to witness and celebrating Chandrayaan-3 landing. 2000 students along with 115 faculty members joined to watch this live and celebrated. Hon'ble Vice Chancellor Prof Ravindra kumar Sinha Congratulated ISRO team Scientists.

जीबीयू परिवार ने चांद्रायन-३ का चंद्रमा की सतह पर उतरने का साक्षी बना

शफी मौहम्मद सैफी जनता की खोज

ग्रेटर नोएडा भारत अंतिरंश को दुनिया में सबसे बड़ इतिहास रचने वाला है, इसरे का चंद्रवान-3 चांद पर उतरने का इंताजर खत्म हुआ और सुरक्षित चांद की सतह पर उतार। इसरे के साथ हम सभी भारत वासिओं के लिए एक महत्वपूर्ण एवं प्रतिक्रिक क्षण था

बंद ने आईआईटी और आईआईटम समेत सभी विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षा संस्थानों से चंदमा पर चंदवान-3 की लैंडिंग को लावज-स्ट्रीमिंग देखने के लिए विशेष सम्प्रारं आयोजित करने को कात है। साथ तो उत्तर प्रदेश ने बेसिक शिक्षा स्कूलों में भी चंदवान के लैंडिंग का लाहब प्रसारण किये जाने का आदेश दिया गया है. भारत और गज्य सरकार की तरफ से जारी आदेश में सभी शैक्षणिक संस्थानों को छाउ-छाताओं को इसे सीचा प्रशासन दिखानों को





में चोटावण ३ का चौद की सतह पर चोटावर-3 का विक्रम लैंडर प्रज्ञन रोवर के साथ चोट की सतह उत्तरने की इस पीतहासिक बण का सीका प्रशासन दिखाने की व्यवस्था की है। कुलपात डॉ विश्वास जिगाड़ी ने कहा कि इस पीतहासिक दिन का हम सभी भारतवासियों को बेसजी से इंडावार था। जीवीचू प्रशासन ने छात्रों को इस दिन का सभी पनाने का एक सुनहार मीका प्रशासन किया जिसका सभी छात्रों ने का एक सुनहार मीका प्रशासन के का विश्वास पड़ी का अनंद उठप्या। भारत के चंद्रशासन के बहावा देगा चीलक हमसे खुवाओं के मन में अन्याप के लिए एक जुन्त भी जागाएग। यह गाँव और एकता की गाँवी भारता चैंदा करेगा, क्वॉकि हम सामृतिक रूप से भारतीय कीमाल का जानन मनाएंग। यह बीजीय जांच और नवांचार के माहील को खड़ावा देने में बोगदान देवा हम सीधे प्रमारण को कुलगाति, कुलसविचन, के अलावा प्रो संज्य शर्मा, डॉ सम्मोहन सिंह, डॉ शंकत श्रीवासक, डॉ अम प्रकाण, डॉ जे गी, मुकान, डॉ जिंदर प्रदेश, डॉ टीमाली सिंह, डॉ

सुनिश्चित करने को कहा गया है। जीवीयु के कुलाति प्रां रावोद्ध करण है कि चंद्रवन-3 की लीहिंग एक वादमार पत्न है, जो न में हनोवेशन के लिए एक जुनून भी पैदा करेगा. इससे मर्च और भारतीय विज्ञान और प्रीस्तिक की शक्ति का जरन मनामी इस अर्थक है अर्थक के अस्वार के का उसम मनामी इस अर्थक के अस्वर के अनुपालन में जीवीयु प्रशासन ने भी अपने प्रेस गृह के साथ इस अद्भाव का सक्की बने।



जीबीयू परिवार चंद्रयान-३ का चंद्रमा की सतह पर उतरने का बना साक्षी

ग्रेटर नोएडा, 23 अगस्त (देशबन्ध्)। इसरो का चंद्रयान-3 चांद पर उतरने का इंतजार खघ्न हुआ और सुरक्षित चांद की सतह पर उतारा। इसरो के साथ हम सभी भारत वासियों के लिए एक महत्वपूर्ण एवं ऐतिहासिक क्षण था। गौतमबुद्ध विवि के कुलपित प्रो खीन्द्र कुमार सिंह ने कहा कि इसका सीधा प्रसारण दिखाने का मुख्य कारण है कि चंद्रयान-3 की लैंडिंग एक यादगार पल है, जो न केवल जिज्ञासा को बढ़ावा देगा बल्कि हमारे युवाओं के मन में करेगा। कुलसचिव जीबीयू डॉ विश्वास



त्रिपाठी ने कहा कि इस ऐतिहासिक दिन का हम सभी भारतवासियों को बेसब्री से इंतजार था। जीबीय प्रशासन ने छात्रों को इनोवेशन के लिए एक जुनून भी पैदा इस दिन का साक्षी बनाने का एक सुनहरा मौका प्रदान किया जिसका सभी छात्रों ने हमारे युवाओं के मन में अन्वेषण के लिए

बडी संख्या में प्रतिभाग कर इसका विलक्षण घडी का आनंद उठाया। भारत के चंद्रयान-3 की लैंडिंग एक यादगार अवसर है जो न केवल जिज्ञासा को बढावा देगा बल्कि

एक जुनून भी जगाएगा। यह गर्व और एकता की गहरी भावना पैदा करेगा, क्योंकि हम सामूहिक रूप से भारतीय कौशल का जश्न मनाएंगे। यह वैज्ञानिक जांच और नवाचार के माहौल को बढावा देने में योगदान देगा। इस सीधे प्रसारण को कुलपति, कुलसचिव, के अलावा प्रो संजय शर्मा, डॉ मनमोहन सिंह, डॉ राकेश श्रीवास्तव, डॉ ओम प्रकाश, डॉ जे. पी. म्याल, डॉ जितेंद्र राठौर, डॉ दीपाली सिंह, डॉ कविता सिंह, डॉ अरविन्द कुमार सिंह, इत्यादि ने छात्र-छात्राओं के साथ इस अद्भृत क्षण का साक्षी बने।

चांद्रायन-३ का चंद्रमा की सतह पर उतरने का साक्षी बना जीबीयू परिवार

प्रयुचर लक्ष्य टाईमा गौतमञ्ज्ञबनगर। भारत अंतरिक्ष की दनिन में सबसे बड़ा इतिहास रचने जला है, इसरो का चंद्रवान-३ चांद्र पर उत्तरने का इंतजार खत्म हुआ और सुरक्षित चाँद की सतह पर उतारा। इसरों के रहश हम सभी भारत वासिओं के लिए एक महत्वपूर्ण एवं विनिद्याचिक शाम का सिंह ने आईआईटी और आईआर्राम मामेन मामें विश्वविद्यालये और उच्च फ़िला संस्थानों से चंद्रमा पर चंद्रगान-३ की लीडिन की लाइय-ग्टीमिन देखने के लिए विशेष संपार्ग आयोजित करने को कहा है। यहचा ही उत्तर प्रदेश ने बेरिक शिक्षा स्कूलों में भी चंद्रमान के लेटिए का लाइव प्रमारण किये जाने का आदेश दिया गया है. भारत और राज्य सरकार को तरफ से जारी आदेश में सभी रीवांपन संस्थानों को छात्र-सात्राओं को सीवा प्रसारण दिखाने का मुख्य कारण है मनाएगि,इस आदेश के अनुपालन में जीवीन् युवाओं के मन में अन्वेषन के लिए एक मनाएगै। यह वैज्ञानिक जांच और नवानार



प्रमासन ने भी अपने प्रेशा गृह में चांद्रायण ३ का चाँद की सतह या चंद्रपान-3 का विक्रम लेंडर प्रजान रोकर के साथ चंद की सतह उतरने की इस पेतिएडिंगक श्रम का इसे सोचा प्रशासन दिखाने को सुनिधन सोधा प्रशासन दिखाने को स्वजन्य की है। करने को क्या गया है। जीवीयू के कुलगीत कुलावित डॉ विरुवास हिरादी ने कहा कि क्री रचीन्त्र कुमार सिंह ने कहा कि इसकी इस ऐतिहासिक दिन का हम सभी भारतवासियों को बेसबी से इंतजार था। कि चंद्रवान-3 को लैंडिक एक चादगार मन । जोबीनु प्रशासन ने खत्री को इस दिन का है, जो न केवल जिल्लामा को बहाबा देगा। साथी बनाने का एक सुनहरा मीका प्रदान बल्कि हमारे पुजाओं के मन में इनोबेशन के किया जिसका सभी लाजों ने वहीं संख्या में तिए एक तुनुव भी गैरा करेगा. इससे नर्ज प्रतिभाग कर इसका मिलक्षण पड़ी कर और एकता की मानी भावना गैरा डोगी अनंद ठठाया। सारत के चंद्रशान-3 बी





अनंद उठाया। मारत के चंद्रयान-3 वर्ष जुनून में जागएगा। वह वर्ष और एकता की के मातील की बढ़ाया देने में योगदान क्योंक हम मामूहिक रूप में भारतीय :लेंड्स एक वादगार अवसर है जो न केवल पढ़ेरी भावना पैद करेगा, क्योंकि इस देशासूर्यक्षत लीडिय के प्रधान भारतीय विज्ञान और प्रीविमिकों को सक्ति का जरन जिल्लामा को जदावा देश व्हिन्द हमारे सामृहिक रूप से भारतीय कीतान का तरन प्रधान मंत्री औ उंशिन्तीर भीची ने

कानिसको से इसरों के बैटानिकों के साथ चने।

राष्ट्र को संबोधि करते हुए की यह धान हम की कार का हम भारतीयों ने चाँद का समय देखा था और आज राम चौट पा है। यह हमारे सामर्थ का और विश्व शक्ति बनाने साधात प्रतीक हैं। जो किन्न के किसी भी शक्तिशाली और समुद्ध एए व कर संक वह हमारे इसरों के वैज्ञानिकों ने कर दिखापाइय सीचे प्रसाण को कुलपति, कल्याचित्र के अल्पना पी पंजय गर्मा की मनमोहन सिंह, हो सकेश श्रीवास्तव, हो ओम प्रकाण, डॉ जे. पी. मराल, डॉ क्लिंड एटीर, र्डा वेपाले सिंह, र्डा कविता सिंह, डी आविन्द कुमार मिह, इत्यादि ने साव-खनाओं के साथ हम अद्भुत क्षण का साकी

बारतीमों के लिए गर्च का बान है और यह